

भाग II कुण्ड 3 जुण-सुपद (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से प्रकारित

प्राधिकार व प्रकासत PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 250] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 24, 1991/वैसाख 4, 1913 No. 2501 NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 24, 1991/VAISAKHA 4, 1913

इ.स.भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप मा रखा जा सके

Separate Paging is given to twis Part in order that it may be filed as a separate compilation

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

श्द्धिपत्न

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1991

का.आ. 289(अ):—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग मंत्राजय (रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग) के भ्रादेश संख्या का.आ. 794(अ) तारीख 26-8-1987 की दूसरी 1129 GI/91 **धनुसूची की क्रम संख्**या 20 और 30 के सामते "सोमेटिडिन" और "डाक्सोसायोलिन" य**ट्यां कि स्थान पर क्रमणः** "सिमेटिडिन" और "डाक्सीसाइक्लिन" पढ़ें।

> [सं. 4(8)/87-मी. माई. (II)] विनोद वैश, संयुक्त संख्य

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS

(Department of Chemicals and Petro-Chemicals) CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th April, 1991

S.O. 289 (E) —In the Orden of the Government of India in the erstwhile Ministry of Industry (Department of Chemicals and Petro-Chemicals) S. O. 794(E), dated 26-8-1987 in the Second Schedule against S. No. 20 and 30 for the words "Cemetidine" and "Doxycyoline" read "Cimetidine" and "Doxycyoline" respectively.

[No. 4(8)/87-PI. (II)] VINOD VAISH, Jt. Secy.